गलती हो गई ▫ इंडस्ट्री के प्रोडक्शन में ग्रोथ का आंकड़ा जनवरी में था गड़बड़

सरकारी आंकड़ों में क्यों है चीनी कम

विस ॥ नई दिल्ली : सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि इंडस्ट्री का प्रोडक्शन फरवरी में 4.1 पर्सेंट की रफ्तार से बढ़ा। जहां तक जनवरी का सवाल है, सरकार ने 12 मार्च को कहा था कि तब प्रोडक्शन की विकास दर 6.8 पर्सेंट थी। लेकिन गुरुवार को सरकार ने कहा कि यह 1.1 पर्सेंट थी। आंकड़ों में 5.7 पर्सेंट के फर्क पर सवाल उठ रहे हैं। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन का कहना है कि जनवरी में चीनी के प्रोडक्शन का आंकड़ा गलत मिला था। इसे 134.08 लाख टन समझा गया था, जबकि यह 58.09 लाख टन था।

गड़बड़ी मानते हुए आंकड़ों से जुड़े विभाग के चीफ टी.सी.ए. अनंत ने यह भी कहा कि चीनी की अहमियत इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के इंडेक्स में कम है। इस बीच गड़बड़ी की जांच के लिए एक पैनल बनाने का फैसला किया गया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष सी. रंगराजन ने कहा है कि हमें सख्ती की जरूरत है। गौरतलब है कि सरकार के आंकड़े पहले भी गलत होते रहे हैं। पिछले साल कॉमर्स सेक्रेटरी राहुल खुल्लर ने अप्रैल से अक्टूबर के बीच एक्सपोर्ट के आंकड़ों में करीब 9 अरब डॉलर का संशोधन किया था। बताया गया कि डेटा एंट्री में गड़बड़ी हो गई थी और सॉफ्टवेयर क्रैश कर गया था।

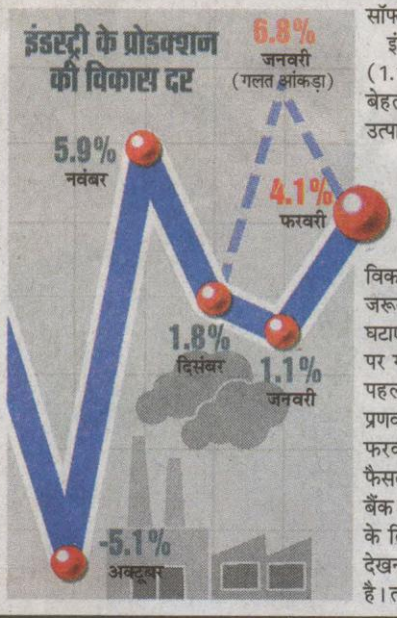

इंडस्ट्री के प्रोडक्शन के मामले में जनवरी के नए आंकड़े (1.1 पर्सेंट) के मुकाबले फरवरी का आंकड़ा (4.1 पर्सेंट) बेहतर लग रहा है, लेकिन पिछले साल फरवरी में औद्योगिक उत्पादन की विकास दर 6.7 पर्सेंट थी। उसके मुकाबले इस साल फरवरी के आंकड़े कमतर रहे हैं। देश की आर्थिक विकास दर भी पिछले वित्त वर्ष में 6.9 पर्सेंट की रफ्तार से बढ़ी थी, जो पिछले तीन साल में सबसे धीमी रफ्तार थी।

उद्योग संगठनों का कहना है कि देश की आर्थिक विकास दर का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रोथ को बढ़ावा देना जरूरी है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इसके लिए ब्याज दरें घटाए। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक 17 अप्रैल को अपनी पॉलिसी पर गौर करेगा। उम्मीद बंध रही है कि पिछले तीन साल में पहली बार रिजर्व बैंक ब्याज दरों को कम करेगा। वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी ने भी कहा है कि जनवरी के आंकड़ों में सुधार और फरवरी में सुस्त चाल का असर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के फैसले पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और रिजर्व बैंक ग्रोथ बढ़ाने की कोशिश करेंगे। हालांकि ब्याज दरें कम करने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया महंगाई दरों के आंकड़े भी देखना चाहेगा। पिछले कुछ समय से महंगाई दर में कमी आ रही है। ताजा आंकड़ा 16 तारीख को सामने आएगा।